Downloaded from https:// www.studiestoday.com

1 इतनी शक्ति हमें देना दाता

– अभिलाष

यह एक प्रार्थना काव्य है। काव्य में ईश्वर से प्रार्थना की गई है कि किसी भी परिस्थिति में किसीसे कोई भूल न हो। सब का जीवन उदात्त बने ऐसी मंगल कामना की गई है। किसी के प्रति बैर भावना या बदले की भावना मन में न रखकर सभी का जीवन मधुबन बने ऐसी भावना व्यक्त की गई है।

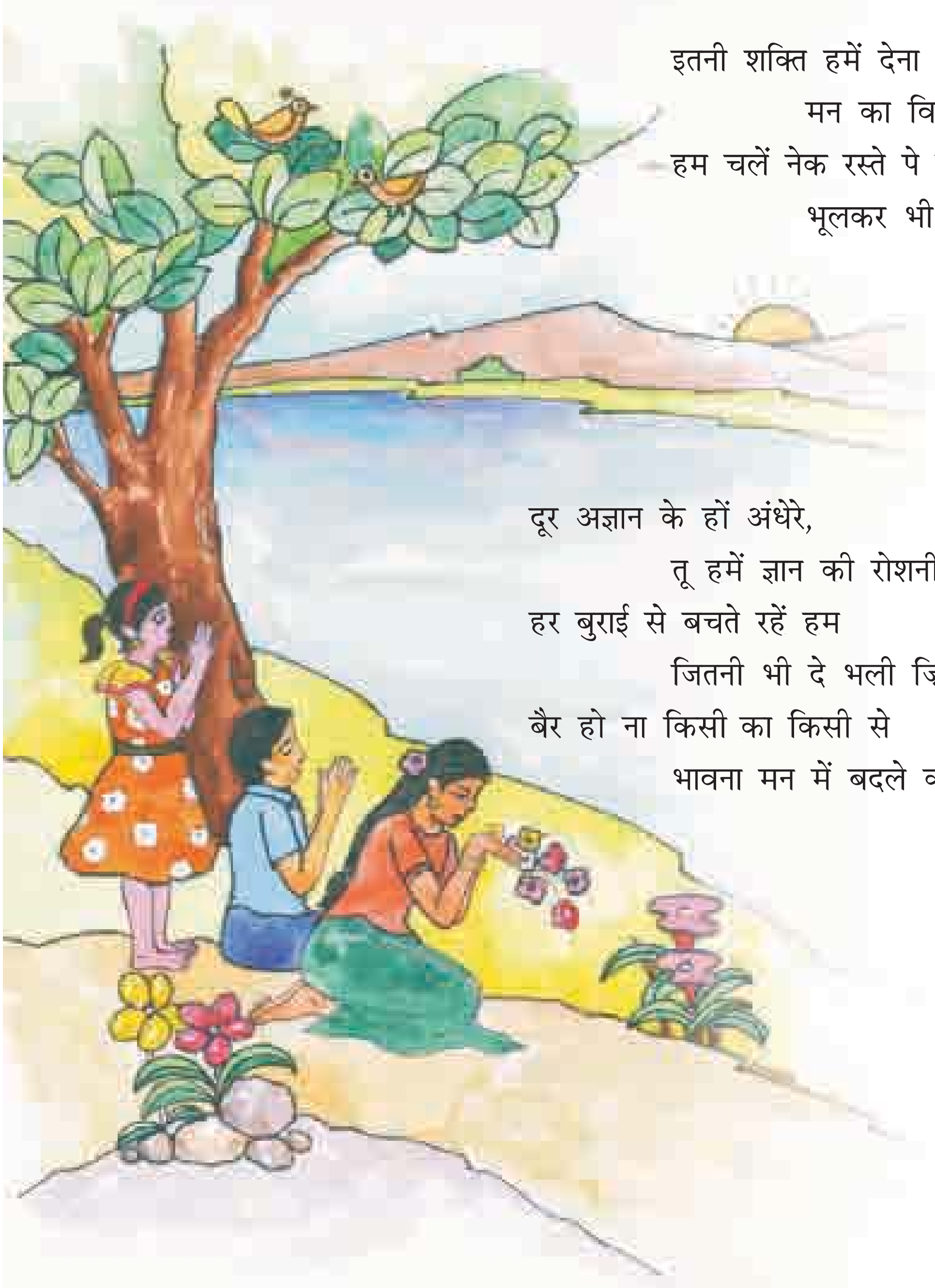

इतनी शक्ति हमें देना दाता!
मन का विश्वास कमज़ोर होना;
हम चलें नेक रस्ते पे हमसे
भूलकर भी कोई भूल हो ना .....**इतनी॰**

दूर अज्ञान के हों अंधेरे,
तू हमें ज्ञान की रोशनी दे,
हर बुराई से बचते रहें हम
जितनी भी दे भली ज़िंदगी दे;
बैर हो ना किसी का किसी से
भावना मन में बदले की हो ना .....**हम चलें॰**

Downloaded from https:// www.studiestoday.com

Downloaded from https:// www.studiestoday.com

हम न सोचें हमें क्या मिला है,
हम ये सोचें किया क्या है अर्पण,
फूल खुशियों के बाँटें सभी को
सबका जीवन भी बन जाये मधुबन;
अपनी करुणा का जल तू बहा के
कर दे पावन हर एक मन का कोना .....**हम चलें**

हम अँधेरे में हैं रोशनी दे,
खो न दें खुद को ही दुश्मनी से,
हम सज़ा पाएँ अपने किये की,
मौत भी हो तो सह लें खुशी से,
कल जो गुज़रा है फिर से न गुज़रे,
आनेवाला वो कल ऐसा हो ना .....**हम चलें**

हर तरफ जुल्म है, बेबसी है,
सहमा-सहमा-सा हर आदमी है,
पाप का बोझ बढ़ता ही जाए,
जाने कैसे ये धरती थमी है?
बोझ ममता से तू ये उठा ले,
तेरी रचना का ही अंत हो ना .....**हम चलें**

शब्दार्थ

विश्वास भरोसा **नेक** ईमानदार **रोशनी** प्रकाश **बेबसी** लाचारी **जुल्म** अत्याचार **भली** अच्छी **अर्पण** समर्पित **मधुवन** उपवन, बगीचा **पावन** पवित्र **सहमा-सा** डरा हुआ

अभ्यास

प्रश्न 1. प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

(1) 'मन का विश्वास कमज़ोर हो ना' ऐसा कवि क्यों कहते हैं?
(2) धरती पर हर तरफ क्या है? क्यों है?
(3) हम जगत में क्या अर्पण करना चाहते हैं? क्यों?
(4) हम सभी को क्या बाँटना चाहते हैं? क्यों?
(5) 'सब का जीवन भी बन जाये मधुबन' का भावार्थ क्या है?

Downloaded from https:// www.studiestoday.com

Downloaded from https:// www.studiestoday.com

प्रश्न 2. नीचे दिए गए खाली स्थानों में उचित शब्द भरते हुए वाक्यों को पूरा कीजिए :

[क्योंकि, ताकि, और, कि, लेकिन, फिर भी, या]

(1) राधा पढ़ने में तेज़ है .... खेल में नहीं।

(2) रोहित बहुत तेज़ भागा .... वह गाड़ी पकड़ना चाहता था।

(3) सुरेश को बुखार था, ... वह स्कूल आया।

(4) मैं समझता हूँ .... वह क्या कहना चाहता है।

(5) आप चाय पसंद करेंगे .... कॉफी?

(6) मैंने सुबह ही पढ़ाई कर ली .... शाम को खेल सकूँ।

(7) अध्यापक रुक गए .... लड़के के बोलने की प्रतीक्षा करने लगे।

प्रश्न 3. निम्नलिखित विषय के बारे में अपने विचार व्यक्त करते हुए चर्चा कीजिए :

– बारिश होनी चाहिए या नहीं?

(1) बारिश होने से धरती हरी-भरी बनती है और खेत में अच्छी फ़सल होती है।

(2) बारिश होने से कीचड़ होता है, गंदगी फैलती है, बीमारियाँ बढ़ती हैं।

प्रश्न 4. उदाहरण के अनुसार विशेषणों का उपयोग करके वाक्य बनाइए :

उदाहरण : कुछ – कुछ कपड़े गंदे हैं।

(1) सुंदर – ....

(2) चार – ....

(3) उसका – ....

(4) थोड़ा – ....

(5) लाल – ....

(6) तीसरा – ....

(7) पंद्रह – ....

प्रश्न 5. संयुक्ताक्षर से शब्द बनाकर वाक्य में प्रयोग कीजिए :

उदाहरण : क् + क = क्क – धक्का – उसने मुझे धक्का मारा।

(1) च् + च – च्च – ....

(2) त् + त – त्त – ....

Downloaded from https:// www.studiestoday.com

Downloaded from https:// www.studiestoday.com

(3) न् + न – न्न – ....

(4) द् + ध – द्ध – ....

(5) द् + व – द्व – ....

(6) श् + व – श्व – ....

(7) ह् + य – ह्य – ....

(8) द् + म – द्म – ....

प्रश्न 6. इस काव्य को टेपरिकार्डर के माध्यम से अपनी कक्षा में सुनाइए।

स्वाध्याय

प्रश्न 1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए :

(1) हमें कैसे रास्ते पर चलना चाहिए? क्यों?

(2) आनेवाला कल कैसा होगा?

(3) हम ईश्वर से कैसी ज़िंदगी की कामना करते हैं?

(4) हमारे मन में कैसी भावना नहीं होनी चाहिए?

(5) हमें किसके बारे में सोचना चाहिए?

(6) हमारा मन पावन कैसे बनेगा?

(7) कविता में कैसा जल बहाने की प्रार्थना की गई है? क्यों?

(8) किसकी रचना का अंत नहीं होना चाहिए?

प्रश्न 2. उदाहरण के अनुसार समान तुकवाले (तुकान्त) शब्द लिखिए :

उदाहरण : लड़ाई – उतराई, कमाई, बुनाई, धुलाई, पढ़ाई, सिलाई...

(1) लताएँ – ....

(2) सुंदरता – ....

(3) ग्वालिन – ....

(4) लिखावट – ....

(5) सुनकर – ....

(6) चिड़ियाँ – ....

Downloaded from https:// www.studiestoday.com

Downloaded from https:// www.studiestoday.com

प्रश्न 3. नीचे दिए गए चित्र को देखकर चित्र का वर्णन अपने शब्दों में कीजिए :

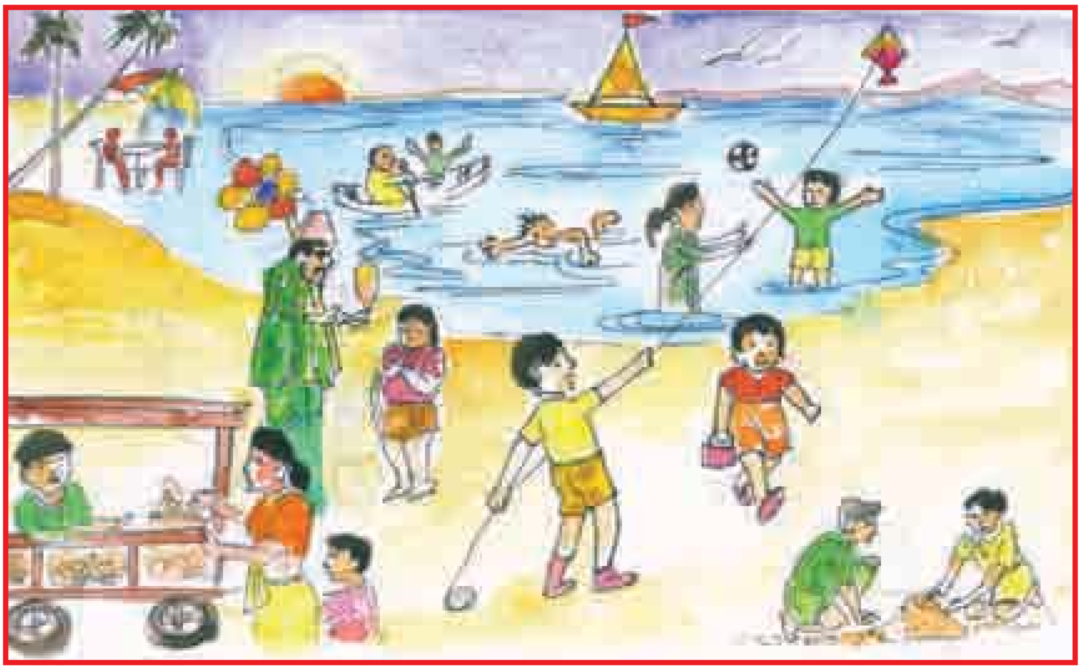

प्रश्न 4. निम्नलिखित परिच्छेद का मातृभाषा में अनुवाद कीजिए :

एक चिड़िया पेड़ पर रहती थी। उसका घोंसला पेड़ पर था। घोंसले में उसके तीन बच्चे थे। वह अपने बच्चों के साथ रहती थी। एक दिन एक शिकारी वहाँ आया। वह चिड़िया को मारना चाहता था। चिड़िया ने बच्चों को घोंसले में सिर नीचा कर बैठने को कहा। वह खुद वहाँ से उड़ गई और पत्तों में छिपकर बैठ गई। शिकारी चिड़िया को न देखकर वहाँ से चला गया।

प्रश्न 5. काव्य पंक्तियों का भावार्थ लिखिए :

(1) बैर हो ना किसी का किसी से
भावना मन में बदले की हो ना...।

(2) अपनी करुणा का जल तू बहा के
कर दे पावन हर एक मन का कोना...।

योग्यता विस्तार

- प्रस्तुत प्रार्थना 'अंकुश' फिल्म से ली गई है। यह फिल्म सन् 1986 में प्रसारित हुई थी। छात्रों को इस फिल्म के प्रार्थना वाले अंश को दिखाएँ ।
- भिन्न-भिन्न भाषाओं की प्रार्थना का संकलन कीजिए।

Downloaded from https:// www.studiestoday.com

Downloaded from https:// www.studiestoday.com

2 अनूठे इन्सान

इस इकाई में दो प्रसंग हैं। प्रथम प्रसंग फ्रांस के महान शासक नेपोलियन बोनापार्ट के बचपन पर आधारित है। जो हमें सत्य एवं प्रामाणिकता की राह पर चलने की प्रेरणा देता है। जबकि दूसरे प्रसंग में केरल की देशभक्त लड़की कौमुदी के 'सच्चे दान' का निरूपण है।

ऐसा था नेपोलियन

नेपोलियन जब छोटा लड़का था तभी से वह सत्यवादी था। एक दिन वह अपनी बहन इलाइज़ा के साथ आँखमिचौनी खेल रहा था। इलाइज़ा छिपी थी और नेपोलियन उसे ढूँढ़ने के लिए इधर-उधर दौड़ रहा था। अचानक वह एक लड़की से जा टकराया। लड़की अमरूद बेचने के लिए ले जा रही थी। नेपोलियन के टकराने से उसकी टोकरी नीचे गिर पड़ी। कीचड़ होने के कारण उसके सारे अमरूद खराब हो गए। वह रोती हुई कहने लगी, ''अब माँ को मैं क्या जवाब दूँगी?''

इलाइज़ा कहने लगी, ''चलो भैया, हम यहाँ से भाग चलें।''

''नहीं बहन, हमारे कारण ही तो इसकी हानि हुई है।'' यह कहकर नेपोलियन ने जेब में रखे तीन छोटे सिक्के उस लड़की को देकर कहा, ''बहन, मेरे पास ये तीन ही सिक्के हैं, तुम इन्हें ले लो।''

''इन तीन सिक्कों से क्या होगा? मेरी माँ मुझे बहुत मारेगी'', लड़की ने कहा। ''अच्छा, तो तुम हमारे साथ घर चलो, हम तुम्हें अपनी माँ से और पैसे दिलवा देंगे।''

Downloaded from https:// www.studiestoday.com

Downloaded from https:// www.studiestoday.com

नेपोलियन बोनापार्ट

इस पर इलाइज़ा ने नेपोलियन से कहा, ''भैया, इसे घर ले चलोगे तो माँ नाराज़ होगी।''

नेपोलियन नहीं माना। वह उस लड़की को अपने साथ घर ले गया। माँ को घटना की जानकारी देकर वह बोला, ''माँ, आप मुझे जो जेब-खर्च देती हैं, उसमें से इस लड़की को पैसे दे दीजिए।''

''ठीक है। मैं तुम्हारी सच्चाई से खुश हूँ मगर याद रखना, अब तुम्हें एक महीने तक जेब-खर्च के लिए कुछ भी नहीं मिलेगा'', माँ ने कहा।

''ठीक है माँ।'' नेपोलियन ने हँसते हुए कहा।

माँ ने उस लड़की को दो बड़े सिक्के दिए। वह खुशी-खुशी घर लौट गई। नेपोलियन को धक्का देने की सज़ा तो मिली परंतु सत्य के पथ पर चलने के कारण उसे यह सज़ा भुगतने में अद्‌भुत आनंद आया।

वास्तव में नेपोलियन सच्चाई के पथ पर चलनेवाला इन्सान था। बचपन से ही उसे खुद पर दृढ़ विश्वास था और दृढ़ इच्छा शक्ति भी।

★

सच्चा दान

मालबार (केरल) की बात है। वहाँ बड़गरा नाम के एक गाँव में सभा का आयोजन किया गया। गाँधी जी ने अपने भाषण में सभा में उपस्थित सभी बहनों से ज़ेवरों की भीख माँगी। बहुत-सी वस्तुएँ भेंट में

Downloaded from https:// www.studiestoday.com

Downloaded from https:// www.studiestoday.com

मिलीं। अपना भाषण समाप्त करके गाँधी जी उनको नीलाम करने लगे। उसी समय कौमुदी नाम की 16 वर्ष की एक कन्या धीरे-से मंच पर चढ़ आई। उसने एक हाथ की सोने की चूड़ी उतारी और उसे गाँधी जी को देते हुए बोली – "क्या आप मुझे अपने हस्ताक्षर देंगे?"

गाँधी जी हस्ताक्षर कर ही रहे थे कि उसने दूसरे हाथ की चूड़ी भी उतार दी। यह देखकर गाँधी जी ने कहा – अरी, पगली लड़की, दोनों चूड़ियाँ देने की ज़रूरत नहीं है। एक ही चूड़ी लेकर मैं तुम्हें अपने हस्ताक्षर दे दूँगा।

इसके उत्तर में कौमुदी ने अपने गले का स्वर्णहार उतार लिया। गाँधी जी ने पूछा – "तुमने अपने माता-पिता से आज्ञा ले ली है न?"

बिना कोई उत्तर दिये उसने कानों में से रत्नजड़ित बुंदे भी निकाल लिए। गाँधी जी ने पूछा – तुमने इन आभूषणों को देने के लिए अपने माता-पिता से आज्ञा ले ली है न?

कौमुदी कुछ उत्तर देती, इससे पहले ही किसीने कहा – इसके पिता तो यहीं हैं न, मानपत्रों की नीलामी में वही तो बोली लगवाकर आपकी मदद कर रहे हैं।

अब गाँधी जी ने कौमुदी से कहा – तुम्हें यह तो मालूम होगा कि ये गहने दे देने के बाद तुम फिर नए गहने नहीं बनवा सकोगी!

कौमुदी ने यह शर्त दृढ़तापूर्वक स्वीकार कर ली। गाँधी जी ने हस्ताक्षर करने के बाद यह वाक्य लिख दिया – तुम्हारे इन आभूषणों की अपेक्षा तुम्हारा त्याग ही सच्चा आभूषण है।

सच है, **देशप्रेम से बढ़कर कुछ नहीं।**

शब्दार्थ

सत्यवादी हमेशा सत्य बोलनेवाला **अद्भुत** अनोखा **आँखमिचौनी** लुका-छिपी का खेल **अमरूद** जामफल (गुज.) **पथ** रास्ता **दृढ़** मजबूत **निर्माता** बनानेवाला **हस्ताक्षर** दस्तख़त **घटना** प्रसंग **उपस्थित** हाजिर, वहाँ आए हुए **मानपत्र** आदर से लिखा पत्र **आयोजन** इंतज़ाम **आभूषण** गहना **नीलामी** बोली लगाकर बेचना **भाषण** सभा के सामने बोलना **त्याग** समर्पण

अभ्यास

प्रश्न 1. प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

(1) नेपोलियन और उसकी बहन के स्वभाव में क्या अंतर था?

(2) आप नेपोलियन की जगह होते तो क्या करते?

(3) आप अपने जेब खर्च का उपयोग किस प्रकार करते हैं?

(4) बापू के बारे में आप क्या जानते हैं?

Downloaded from https:// www.studiestoday.com

Downloaded from https:// www.studiestoday.com

(5) बापू धन क्यों इकट्ठा कर रहे थे?

(6) आपको कौमुदी का पात्र कैसा लगा? क्यों?

(7) क्या आपने भी कभी अपने माता-पिता के सामने गलती स्वीकार की है? उस घटना को अपने शब्दों में बताइए।

प्रश्न 2. उदाहरण के अनुसार संयुक्त वर्ण से बने दो-दो शब्द लिखिए :

(1) द् + ध = द्ध = शुद्ध – ...., ...

(2) त् + त = त्त = वित्त – ...., ...

(3) द् + म = द्म = पद्म – ...., ...

(4) द् + व = द्व = विद्वान – ...., ...

(5) ह् + म = ह्म = ब्रह्म – ...., ...

प्रश्न 3. निम्नलिखित विषय पर चर्चा कीजिए :

(1) महात्मा गाँधी और देशप्रेम

(2) इन्सान अनूठा कब कहलाता है?

(3) तुम अपने देश की सेवा कैसे करोगे?

प्रश्न 4. नीचे संज्ञा से बननेवाले विशेषण शब्द दिए गए हैं, उनका वाक्य में प्रयोग करके लिखिए :

(1) धर्म – धार्मिक (2) रंग – रंगीन (3) लोभ – लोभी

(4) भारत – भारतीय (5) चमक – चमकीला (6) शक्ति – शक्तिमान

(7) गुण – गुणवती (8) बल – बलवान (9) दया – दयावान

(10) दर्शन – दर्शनीय

प्रश्न 5. उदाहरण के अनुसार लिंग परिवर्तन कीजिए :

उदाहरण : पुत्र – पुत्री

(1) मेढ़क – .... (2) तरुण – .... (3) कुमार – ....

(4) देव – .... (5) हिरन – ....

उदाहरण : साँप – साँपिन

(1) कुम्हार – .... (2) नाग – .... (3) बाघ – ....

(4) धोबी – .... (5) ग्वाला – ....

उदाहरण : मोर – मोरनी

(1) शेर – .... (2) जादूगर – .... (3) मास्टर – ....

(4) डॉक्टर – .... (5) ऊँट – ....

Downloaded from https:// www.studiestoday.com

Downloaded from https:// www.studiestoday.com

प्रश्न 6. प्रश्न 5 में जिन शब्दों के लिंग परिवर्तन किये हैं, उनका वाक्य में प्रयोग कीजिए :

जैसे –

- हिरन – हिरनी : – हिरन दौड़ रहा है।
  – हिरनी दौड़ रही है।
- पुत्र – पुत्री : – राहुल राजीव गाँधी के पुत्र हैं।
  – इन्दिरा जी जवाहरलाल जी की पुत्री थीं।

प्रश्न 7. चित्र के आधार पर चर्चा करके कहानी लिखिए :

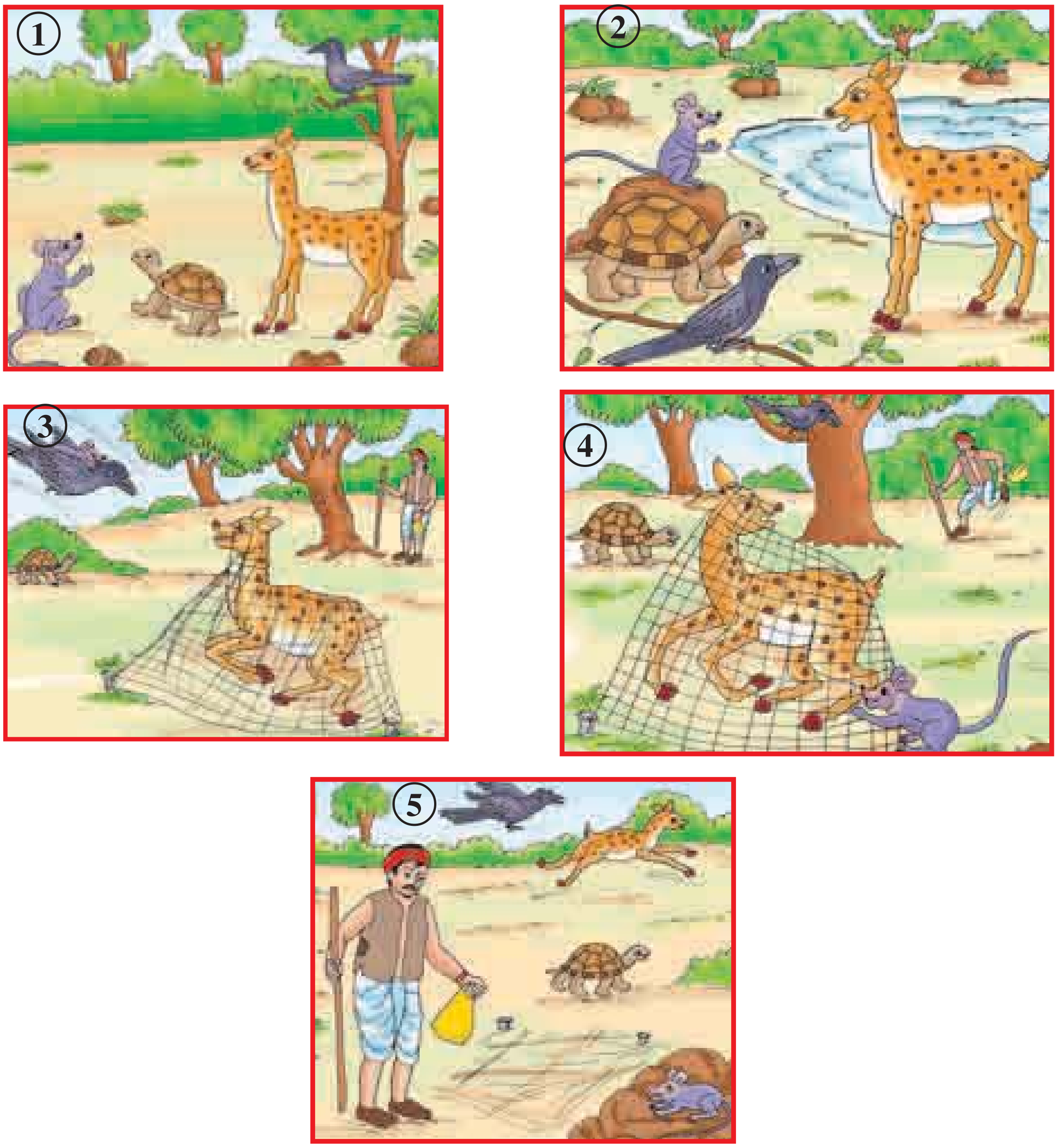

Downloaded from https:// www.studiestoday.com

Downloaded from https:// www.studiestoday.com

स्वाध्याय

प्रश्न 1. प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

(1) नेपोलियन की बहन का नाम क्या था?

(2) नेपोलियन लड़की को अपने घर क्यों ले गया?

(3) गाँधी जी को सोने की चूड़ी देनेवाली लड़की का नाम क्या था?

(4) गाँधी जी ने कौमुदी से क्या कहा?

(5) हस्ताक्षर करने के बाद गाँधी जी ने क्या लिखा?

प्रश्न 2. (क) अपने गाँव में घटी कोई आँखों देखी घटना के बारे में लिखिए।

(ख) इस इकाई के आधार पर अपने मित्रों से पूछने के लिए पाँच प्रश्न बनाइए।

प्रश्न 3. विरामचिह्नों का उपयोग करके परिच्छेद फिर से लिखिए और अनुवाद कीजिए।

दुर्गावती बचपन से ही बहादुर थीं उन्हें युद्ध करने में अपूर्व धैर्य दूरदर्शिता अटूट साहस और स्वाभिमान जैसे गुण विरासत में मिले थे जहाँ वे सुशील कोमल अति सुंदर और भावुक थीं वहीं दूसरी ओर से वीर साहसी और अस्त्र-शस्त्र चलाने में भी निपुण थीं शिकार खेलने में उन्हें विशेष रुचि थी वे तीर और बंदूक का अचूक निशाना लगाने में भी कुशल थीं

योग्यता विस्तार

- गाँधी जी और नेपोलियन के बारे में परिचय प्राप्त कीजिए।
- महापुरुषों के जीवन की घटनाओं का संकलन कीजिए।

भाषा-सज्जता

■ **आये थे हरि भजन को ओटन लगे कपास –**

तुम्हें छात्रावास में इसलिए भेजा था कि तुम परीक्षा में प्रथम आ सको पर तुमने तो यहाँ रहकर भी बेकार की बातों में समय बरबाद करना शुरू कर दिया।

इसे कहते हैं – 'आये थे हरि भजन को ओटन लगे कपास' अर्थात् अच्छा काम छोड़कर महत्त्वहीन काम में लग जाना।

- **उलटा चोर कोतवाल को डाँटे –**

एक तो तुमने चोरी की और ऊपर से मुझे ही डाँट रहे हो?

इसे कहते हैं – 'उल्टा चोर कोतवाल को डाँटे' अर्थात् अपराधी द्वारा निर्दोष को धमकाना।

Downloaded from https:// www.studiestoday.com

Downloaded from https:// www.studiestoday.com

- **ऊँची दुकान फीका पकवान –**

हमने तो तुम्हारी दुकान की प्रसिद्धि सुनकर सामान खरीदा था मगर आपका सामान तो बहुत ही घटिया निकला।

इसे कहते हैं – 'ऊँची दुकान फीका पकवान' अर्थात् प्रसिद्धि के अनुरूप न होना।

- **एक तो करेला ऊपर से नीम चढ़ा –**

वह शराबी तो था ही, जुआ भी खेलने लगा। यह तो वही बात हुई – एक तो करेला ऊपर से नीम चढ़ा।

अर्थात् एक दोष के साथ-साथ दूसरा दोष भी लग जाना।

- **एक सड़ी मछली सारे तालाब को गंदा करती है –**

जब से धनराज हमारी कक्षा में आया है उसने कई बार चोरी की है। उसकी देखा-देखी कई और लड़के भी इस लत में पड़ गए हैं। ठीक ही कहा है – एक सड़ी मछली सारे तालाब को गंदा कर देती है।

अर्थात् एक की बुराई के कारण सबकी बदनामी होना।

- **कंगाली में आटा गीला –**

गंगू पहले ही बहुत निर्धन था, छोटी-सी नौकरी में बड़ी मुश्किल से गुज़ारा कर रहा था, अब तो वह भी छूट गई।

इसे कहते हैं – 'कंगाली में आटा गीला' अर्थात् मुसीबत में और मुसीबत आना।

- **कहाँ राजा भोज और कहाँ गंगू तेली –**

उस साधारण गायिका की तुलना लता मंगेशकर से करना उचित नहीं – कहाँ राजा भोज और कहाँ गंगू तेली।

अर्थात् दो व्यक्तियों की स्थिति में बहुत अंतर होना।

- **कोयले की दलाली में हाथ काला –**

उसका साथ छोड़ दो, पूरा गुंडा है, कभी तुम्हें भी ले बैठेगा। जानते नहीं, कोयले की दलाली में हाथ काला।

अर्थात् बुरे के साथ रहने पर बुराई मिलती है।

- **चमड़ी जाए पर दमड़ी न जाए –**

सेठ मोहनदास कई दिनों से बीमार हैं, फिर भी अस्पताल नहीं जाना चाहते हैं । उनके लिए तो चमड़ी जाए पर दमड़ी न जाए।

अर्थात् कंजूस व्यक्ति कष्ट सहन कर लेता है, लेकिन पैसे खर्च नहीं करता।

- **जो गरजते हैं सो बरसते नहीं –**

कमल ने इस बार 100 मीटर की दौड़ में प्रथम स्थान प्राप्त करने का दावा किया था। वह प्रथम तो क्या, तृतीय भी न आ सका।

इसे कहते हैं – 'जो गरजते हैं सो बरसते नहीं' अर्थात् जो डींग मारते हैं, वे काम नहीं करते।

Downloaded from https:// www.studiestoday.com

Downloaded from https:// www.studiestoday.com

- **नाम बड़े और दर्शन छोटे –**

  तुम्हारे विद्यालय की बहुत प्रशंसा सुन रखी थी, पर आकर देखा तो पढ़ाई का स्तर कुछ भी नहीं। इसे कहते हैं – 'नाम बड़े और दर्शन छोटे' अर्थात् प्रसिद्धि अधिक किन्तु तत्त्व कुछ भी नहीं।

- **बोया पेड़ बबूल का आम कहाँ से पाय –**

सारे साल तो तुमने पढ़ाई नहीं की अब उत्तीर्ण होने के सपने देख रहे हो? यह संभव नहीं है, क्योंकि किसी ने कहा है – 'बोया पेड़ बबूल का आम कहाँ से पाय' अर्थात् बुरे कामों का अच्छा फल नहीं मिलता।

- इन कहावतों को पढ़ने से पता चलता है कि उनमें से शाब्दिक अर्थ नहीं, बल्कि कुछ विशेष अर्थ प्रकट होता है।
- कहावत का पूर्ण वाक्य में स्वतंत्र रूप से प्रयोग किया जाता है।
- कहावत का प्रयोग किसी बात के समर्थन या खंडन के लिए किया जाता है।

Downloaded from https:// www.studiestoday.com

Downloaded from https:// www.studiestoday.com

3

ज़रा मुस्कराइए

जीवन में हास्य का बहुत ही महत्त्व है। हास्य जीवन के दु:ख को भुलाकर नई उमंग भर देता है। हँसने से हमारा स्वास्थ्य अच्छा रहता है।

आइए! कुछ ऐसे चुटकुले पढ़ें कि जो आपको मुस्कुराने के लिए मजबूर करेंगे।

- **मालिक (किराएदार से) :** तुम मुझे किराया क्यों नहीं देते?
  किराएदार : आपने ही तो कहा था, इसे अपना ही घर समझना।
- सोनू का सिर फट गया। **डॉक्टर (सोनू से) :** यह कैसे हुआ?
  सोनू (डॉक्टर से) : मैं पत्थर से कील ठोक रहा था। एक आदमी ने मुझसे कहा गधे, कभी खोपड़ी का भी इस्तेमाल कर लिया कर।

-

Downloaded from https:// www.studiestoday.com

Downloaded from https:// www.studiestoday.com

- **मुन्ना :** पापा, कल मैंने रात के डेढ़ बजे तक पढ़ाई की।
  पिता : शाबाश बेटे, लेकिन रात को ग्यारह बजे के बाद तो सारे मोहल्ले की लाइट चली गई थी।
  मुन्ना : सच! मैं तो पढ़ने में इतना मगन था कि, मुझे पता ही नहीं चला।

-

अभ्यास

प्रश्न 1. सामयिकों, अखबारों में से चुटकुले पढ़िए और कक्षा में सुनाइए। आपने जो चुटकुले सुने हों या पढ़े हों उन्हें लिखिए।

प्रश्न 2. निम्नलिखित परिच्छेद में से मुहावरे ढूँढ़िए और उनके अर्थ देकर वाक्य-प्रयोग कीजिए :

रमेश पढ़ाई में होशियार लड़का है, इसलिए रमेश पिताजी की आँखों का तारा है। इस साल रमेश ने कमर कसके परीक्षा की तैयारी की थी। जब वह परीक्षा देने गया तो उसका ईद का चाँद मित्र महेश का नंबर भी उसके नज़दीक था। महेश आस्तीन का साँप निकला और वह अध्यापक की नज़र चुरा के रमेश की कापी में से नकल कर रहा था। उस वक्त अध्यापक ने देखा और वे आग बबूला हो गये।

प्रश्न 3. रेखांकित शब्दों के लिंग बदलकर वाक्य फिर से लिखिए :

(1) मेरे दादाजी यात्रा पर गये हैं।
(2) एक आदमी ने मुझसे कहा।
(3) लेखक कहानी लिख रहा है।
(4) मेरी मालकिन का स्वभाव बहुत अच्छा है।
(5) बारिश को देखकर मोर नाचने लगा।
(6) जंगल में शेर दहाड़ रहा है।
(7) सेठ दुकान में बैठे हैं।
(8) अध्यापक पढ़ रहे है।
(9) पंडित रामायण सुनाने लगे।
(10) लड़का दुकान के पास खड़ा है।

Downloaded from https:// www.studiestoday.com

Downloaded from https:// www.studiestoday.com

प्रश्न 4. उदाहरण के अनुसार शब्द का चार-चार वाक्यों में प्रयोग कीजिए :

जैसे : घर – मेरा घर सूरत में है।
– मुझे अपना घर बहुत पसंद है।
– मेरे घर में तीन कमरे हैं।
– मैं अपना घर साफ रखता हूँ।

(1) बाग (2) नदी (3) दोस्त (4) पसंद (5) कहानी

प्रश्न 5. कहावतों के अर्थ दिए गए हैं, कक्षा में उदाहरण देकर चर्चा कीजिए :

(1) अक्ल बड़ी या भैंस – शरीर बड़ा होने की अपेक्षा अक्ल बड़ी होती है।
(2) आसमान से गिरा खजूर में अटका – एक के बाद एक विपत्ति में फँसना।
(3) आये थे हरि भजन को ओटन लगे कपास – अच्छा काम छोड़कर महत्त्वहीन काम में लग जाना।
(4) जो गरजते हैं वो बरसते नहीं – जो डींग मारते हैं, वे काम नहीं करते।
(5) जैसी करनी वैसी भरनी – जो जैसा करते हैं उसे उसीके अनुसार फल भुगतना पड़ता है।

योग्यता विस्तार

- ''ठहाका मारकर हँसो और सौ साल जिओ'' कैसे? कक्षा में इस वाक्य पर चर्चा कीजिए।
- आकाशवाणी (रेडियो), दूरदर्शन एवं प्रसार माध्यमों से चुटकुले एवं हास्य कार्यक्रम सुनिए और देखिए।
- पाठशाला में प्राप्य सामयिक, अखबार में से चुटकुले खोजकर संग्रह कीजिए।
- हास्य कलाकारों के बारे में जानकारी प्राप्त कीजिए।

Downloaded from https:// www.studiestoday.com

Downloaded from https:// www.studiestoday.com

4 पुस्तक - हमारी मित्र

जीवन में पत्रों का विशेष महत्त्व है। पत्रों के माध्यम से मानवीय सम्बन्धों में एक ताज़गी, नयापन व जीवन्तता बनी रहती है। पत्र व्यापक संचार का माध्यम भी होते हैं। पत्र-लेखन एक कला है। अतएव पत्र लेखन की कला से छात्र अवगत हो यह आवश्यक है। इसके साथ-साथ एस.एम.एस., ई-मेल और फैक्स के जमाने में भी पत्र-शैली का विकास करना मुख्य उद्देश्य है।

195, उमियानगर सोसायटी,
मुंदरा,
जिला – कच्छ
दिनांक : 4-8-2011

प्रिय मनोज,

नमस्ते।

मैं यहाँ सकुशल हूँ। आशा है वहाँ सभी कुशल से होंगे। पिछले कई दिनों से तुम्हें पत्र लिखने को सोच रहा था, परंतु हमारी पाठशाला में 'वांचे गुजरात' अभियान अंतर्गत कई प्रवृत्तियाँ चल रही थीं, इनमें मैं सम्मिलित हो गया था। मित्र, तुम भी 'वांचे गुजरात' अभियान में सम्मिलित हुए होंगे। अभियान के संदर्भ में राज्य सरकार ने भी एक सूत्र घोषित किया था – 'जो पुस्तक के मित्र, वो मेरे भी मित्र।'

मैं आज तुमको पत्र के माध्यम से 'किताबों का महत्त्व' के बारे में लिख रहा हूँ। किताबें हम सभी की मित्र हैं, वे हमें नया ज्ञान देती हैं एवं भले-बुरे का फर्क बताती हैं। पूज्य गाँधी जी ने कहा था कि, ''पुस्तकें मन के लिए साबुन का कार्य करती हैं।'' मन में जो अज्ञान है, अंधकार है उसे मिटाकर ज्ञान का संचार करती हैं।

किताबें ज्ञान का स्रोत हैं, जिनसे जिज्ञासा की पूर्ति होती है, इतना ही नहीं ज्ञान और विज्ञान को गतिमान रखती हैं... किताबें मूल्यवान हैं... हमें इनको पढ़कर हमारे जीवन को सजाना एवं सँवारना है। मित्र, मैं ऐसा कहना चाहता हूँ कि मुझे पैसा नहीं पुस्तकें चाहिए। जन्मदिन के अवसर पर पुष्प का गुलदस्ता नहीं, बल्कि किताबों की भेंट देनी चाहिए। पुस्तकें हमारी मित्र हैं और रहेंगी। इनको पढ़कर ज्ञान अर्जन करने की ज़िम्मेदारी हम सब की है। मैंने हररोज अच्छी किताब का एक पन्ना पढ़ना शुरू कर दिया है। मेरी आशा है कि तुम भी ऐसा ही करोगे।

Downloaded from https:// www.studiestoday.com

Downloaded from https:// www.studiestoday.com

चलो, आज से संकल्प करें कि दोस्तों के जन्मदिन या शुभ अवसरों पर शुभकामना के साथ-साथ किताबों की मूल्यवान भेंट देंगे।

अब, हमें **'बूके नहीं पर बुक'** चाहिए।

परिवार के सभी बड़ों को मेरा प्रणाम।

तुम्हारा दोस्त,
पूजन

शब्दार्थ

अभियान झुंबेश (गुज.), किसी अच्छे कार्य के लिए प्रवृत्त होना **जिज्ञासा** ज्ञान प्राप्त करने की उत्सुकता **गुलदस्ता** सुंदर फूलों और पत्तियों का बना गुच्छ **संकल्प** दृढ़ निश्चय

अभ्यास

प्रश्न 1. अगर आप किसी को चिट्ठी लिख रहे हैं तो पता किस क्रम में लिखेंगे? नीचे दी गई जगह में लिखिए :

गली / मोहल्ले का नाम, घर का नंबर, राज्य का नाम, खंड का नाम, कस्बे / शहर / गाँव का नाम, पिनकोड़ नंबर

....

....

....

....

आपने इस क्रम में ही क्यों लिखा? चर्चा कीजिए।

प्रश्न 2. प्रारूप के आधार पर मित्र को 'जन्मदिन बधाई' के संदर्भ में पत्र लिखिए :

....
.... भेजनेवाले का पता
....

.... दिनांक
.... संबोधन

Downloaded from https:// www.studiestoday.com

Downloaded from https:// www.studiestoday.com

कई दिनों से तुम्हारा पत्र नहीं मिला।..
.... } अभिवादन
....

....
....
.... } पत्र लिखने का कारण
....
....

....
.... } अन्य समाचार
....

....
.... } समाप्ति
....

.... संबंध

.... नाम

प्रश्न 3. अपने मित्र को चिट्ठी भेजना चाहते हो, तो ठीक से अपनी जगह पर पहुँचे ऐसा पता लिखिए :

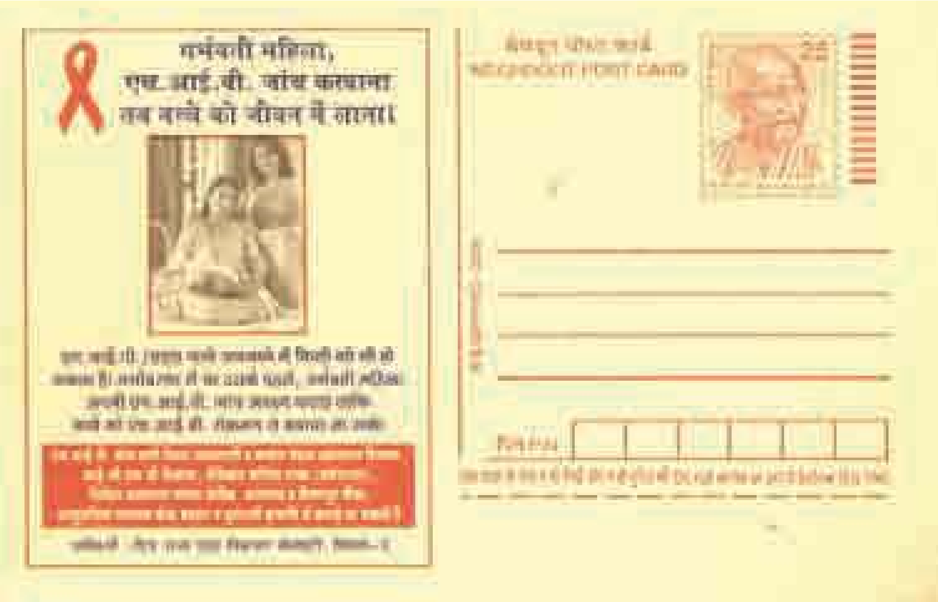

Downloaded from https:// www.studiestoday.com

Downloaded from https:// www.studiestoday.com

प्रश्न 4. चित्र देखिए और जानकारी प्राप्त करने के लिए प्रश्न पूछिए :

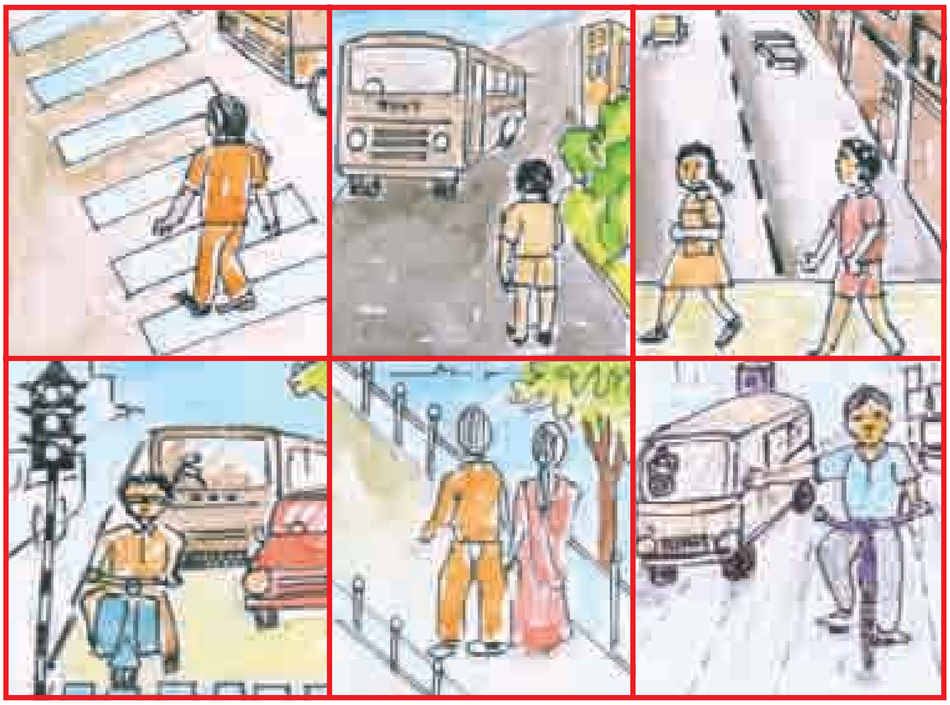

प्रश्न 5. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए :

दुनिया साहसी लोगों के लिए है। कायर हमेशा सोचते रहते हैं और बैठे-बैठे सपना देखा करते हैं, पर साहसी विजयी हो जाते हैं। साहस के बिना योग्यता व्यर्थ है।

आलसी आदमी तो मन के लड्डू ही खाते हैं। मगर जो कर्मवीर हैं, वे सफलता प्राप्त कर लेते हैं। कायर भय के सामने काँपने लगता है। साहसी का लहू भय को देखकर जोश से भर जाता है। साहस के बिना बड़ा डील-डौल किस काम का? दुनिया का इतिहास साहसी पुरुषों और स्त्रियों की कहानियों से भरा पड़ा है।

अब इस गद्यांश के आधार पर अपने साथियों से पूछने के लिए प्रश्न बनाइए।

स्वाध्याय

प्रश्न 1. प्रश्नों के उत्तर लिखिए :

(1) पत्र कब और कहाँ से लिखा गया है?

(2) पत्र किसने किसको लिखा है?

(3) पत्र किस विषय के बारे में लिखा गया है?

प्रश्न 2. अपने घर कोई पुराना या नया पत्र ढूँढ़िए और उसे देखकर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए :

(1) पत्र किसने लिखा है?

(2) पत्र क्यों लिखा गया है?

(3) पत्र कौन-से दिनांक को लिखा गया है?

Downloaded from https:// www.studiestoday.com

Downloaded from https:// www.studiestoday.com

प्रश्न 3. पत्र भेजने के लिए आम तौर पर पोस्टकार्ड, अंतर्देशीय पत्र या लिफ़ाफ़ा इस्तेमाल किया जाता है। डाकघर जाकर इनका मूल्य पता कीजिए। यह भी पता कीजिए कि इनमें क्या अंतर होता है :

(1) पोस्टकार्ड : ....

(2) अंतर्देशीय पत्र : ....

(3) लिफ़ाफ़ा : ....

प्रश्न 4. अपने आस-पास की किसी भी घटना का वर्णन करते हुए अपने मित्र को पत्र लिखिए :

जैसे कि – नदी में बाढ़ आना।

इतना जानिए

- **पेशेवाले लोग :**

कुँजड़ा	– કાછિયો	खटबुना	– ખાટલો ભરનાર
घड़ीसाज़	– ઘડિયાળી	तमोली	– તંબોળી (પાનવાળો)
बज़ाज़	– કાપડિયો	पंसारी	– ગાંધી
जिल्दसाज़	– બુકબાઈન્ડર	हलवाई	– કંદોઈ
खरादी	– સંઘાડિયો	सौदागर	– વેપારી

-

Downloaded from https:// www.studiestoday.com

Downloaded from https:// www.studiestoday.com

- **पिनकोड़ नंबर के संदर्भ में -**
  - पिनकोड की शुरुआत 15 अगस्त 1972 को डाक-तार विभाग ने पोस्टल नंबर योजना के नाम से की है।
  - पिन शब्द पोस्टल इंडेक्स नंबर [Postal Index Number] का छोटा रूप है।
  - पिनकोड़ नंबर 6 अंकों का होता है। हर अंक का एक खास स्थानीय अर्थ है।

    उदाहरण के लिए :

    एन.सी.ई.आर.टी.ई. को भेजे गये लिफ़ाफ़े पर लिखा अंक है - 110016 - यहाँ पहले स्थान का अंक यह बताता है कि पिन कोड दिल्ली, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, पंजाब या जम्मू-कश्मीर का है। अगले दो अंक 10 यह तय करते हैं कि यह दिल्ली (राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र) के उपक्षेत्र दिल्ली का कोड़ है। अगले तीन अंक 016 दिल्ली उपक्षेत्र के हैं। ऐसे बनता है डाकघर का कोड़। जिससे डाक बाँटने में सुविधा होती है।
  - अब तुम्हारा स्कूल जहाँ पर है; उस इलाके का पिनकोड़ पता कीजिए।

योग्यता विस्तार

- **चिट्ठी का संदेश -**

चिट्ठी में है मन का प्यार,
चिट्ठी है घर का अखबार।
छोटा-सा कागज़ बिन पैर,
करता दुनिया भर की सैर।
नए-नए संदेश सुनाकर,
जोड़ रहा है दिल के तार।

- डाकघर की मुलाकात कीजिए और इसके बारे में आठ-दस वाक्य लिखिए।
- **प्रकल्प कार्य** - डाक टिकिटों का संग्रह कीजिए।
- आकाशवाणी, दूरदर्शन के कार्यक्रमों को सुनकर कार्यक्रम के बारे में प्रतिभाव देने के लिए खत लिखिए।

Downloaded from https:// www.studiestoday.com

Downloaded from https:// www.studiestoday.com

भाषा-सज्जता

- यह एक उद्यान है।
- बच्चे झूला झूल रहे हैं।
- माली पौधों को पानी दे रहा है।
- कुछ व्यक्ति आपस में बात-चीत कर रहे हैं।
- बच्ची दौड़ रही है।

इन वाक्यों में कहीं कुछ कार्य हो रहा है। जो पद किसी कार्य के करने या होने का बोध करवाए, वह **'क्रिया'** कहलाता है।

'लिखना', 'पढ़ना', 'चलना', 'दौड़ना', 'खाना', 'पीना', 'खेलना', 'देखना' आदि शब्द **'क्रियाएँ'** हैं।

आप जो क्रियाएँ करते हैं, उनकी सूची बनाइए।

Downloaded from https:// www.studiestoday.com

Downloaded from https:// www.studiestoday.com

5 जय विज्ञान की

इस इकाई में 'जय जवान, जय किसान' के साथ विज्ञान की जय बताई गई है। वैज्ञानिक खोजों की वज़ह से जो उपकरण बने हैं उनका सारे विश्व पर बहुत बड़ा प्रभाव रहा है। उन प्रभावों के कारण आज सारा विश्व विभिन्न प्रकार से सुख-सुविधाओं का अनुभव कर रहा है।

नैतिक फर्ज़ और मानवता जैसे मूल्य इस इकाई में निहित हैं।

जय जवान की, जय किसान की–
जय हो, जय विज्ञान की!

सुविधाओं का शुरू सिलसिला
विलासिता की खुशबू है,
बचत समय की और शक्ति की
अब विकास का जादू है,
नये-नये उपकरण बनाए-
नूतन अनुसंधान की!

जय जवान...

मोबाइल पर बातें करिए
पेजर, फैक्स, मुस्कुराते,
पल में जयपुर, पल में मथुरा
मानव आज पहुँच जाते,
विजयश्री मिलती जिस पथ चल-
डगर वही आसान की!

जय जवान...

Downloaded from https:// www.studiestoday.com

Downloaded from https:// www.studiestoday.com

कम्प्यूटर की क्रान्ति आ गई
इंटरनेट की परछाईं,
अधर-अधर पर खुशियाली की
गंगा-यमुना लहराई,
बच्चे नई सदी के बोलें-
दूनी अपनी शान की!

जय जवान...

चलें समय के साथ तभी तो
दुनिया में यश पाएँगे,
इस वसुधा पर स्वर्ण-सवेरा
निज प्रयास से लाएँगे,
फिर करनी शुरूआत सभी को-
मानवता के गान की!

जय जवान...

शब्दार्थ

सिलसिला क्रम **विलासिता** सुख-भोग **उपकरण** साधन **अनुसंधान** खोज़ **अधर** होठ **खुशियाली** आनंद, खुशी **दूनी** दोगुनी **शान** शोभा, प्रतिष्ठा **यशगान** प्रशंसा का गान **वसुधा** पृथ्वी **निज** अपना

मुहावरे

स्वर्ण सवेरा लाना सुख सुविधा निर्माण करना **गंगा-यमुना लहराना** बहुत आनंदित होना, खुशहाल होना

Downloaded from https:// www.studiestoday.com

Downloaded from https:// www.studiestoday.com

अभ्यास

प्रश्न 1. टेपरिकार्डर या सी.डी. के जरिए काव्य का श्रवण एवं समूहगान कीजिए।

प्रश्न 2. क्या होता? बताइए :

(1) यदि मोबाइल की खोज नहीं होती तो...

(2) यदि हम समय और शक्ति का सही उपयोग नहीं करते तो...

(3) यदि कम्प्यूटर, फैक्स और इंटरनेट आदि का आविष्कार नहीं हुआ होता तो ...

प्रश्न 3. दिए गए उदाहरण के अनुसार समान प्रासवाले शब्दों की रचना कीजिए :

उदाहरण : लिखावट – रुकावट, सजावट

(1) नौकरानी : ....

(2) आर्थिक : ....

(3) नायिका : ....

(4) चुनाव : ....

स्वाध्याय

प्रश्न 1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए :

(1) कम्प्यूटर और इंटरनेट से हमें क्या लाभ हुए हैं?

(2) समय और शक्ति की बचत कैसे होती है?

(3) किन उपकरणों के माध्यम से संदेशाव्यवहार हो सकता है?

(4) हम धरती पर सुख-सुविधाएँ कैसे निर्माण करेंगे?

(5) क्या करने से हम दुनिया में यश पा सकते हैं?

(6) तुम्हें विज्ञान का कौन-सा आविष्कार सबसे अच्छा लगता है? क्यों?

प्रश्न 2. निम्नलिखित काव्य पंक्तियों का भावार्थ स्पष्ट कीजिए :

(1) कम्प्यूटर की क्रान्ति आ गई, इंटरनेट की परछाई,
अधर-अधर पर खुशियाली की, गंगा-यमुना लहराई,
बच्चे नई सदी के बोलें, दूनी अपनी शान की!
जय जवान...

(2) चलें समय के साथ तभी तो, दुनिया में यश पाएँगे,
इस वसुधा पर स्वर्ण-सवेरा, निज प्रयास से लाएँगे,
फिर करनी शुरूआत सभी को, मानवता के गान की!
जय जवान...

Downloaded from https:// www.studiestoday.com

Downloaded from https:// www.studiestoday.com

प्रश्न 3. निम्नलिखित शब्दों का वाक्य में प्रयोग कीजिए :

उपकरण, मोबाइल, कम्प्यूटर, क्रांति, खुशियाली

प्रश्न 4. चित्र देखकर अपनी कापी में वाक्य लिखिए :

Downloaded from https:// www.studiestoday.com

Downloaded from https:// www.studiestoday.com

योग्यता विस्तार

- वैज्ञानिक उपकरणों का उपयोग करके कहानी, जीवन प्रसंग, घटनाएँ आदि ढूँढ़कर भीतिपत्र (बुलेटिन) पर चिपकाइए।
- चर्चा कीजिए : वैज्ञानिक खोज़ – वरदान या शाप
- पढ़िए और समझिए :

टेलिफोन – (Telephone) – दूरभाष
मोबाइल – (Mobile) – भ्रमणभाष
केल्क्यूलेटर – (Calculator) – गणनयंत्र
कम्प्यूटर – (Computer) – संगणक
टी.वी. – (Television) – दूरदर्शन
रेडियो – (Radio) – आकाशवाणी
टेपरिकार्डर – (Taperecorder) – ध्वनिमुद्रण यंत्र
फैक्स – (Fax) – चित्रसंदेश
इंटरनेट – (Internet) – आंतरजाल

Downloaded from https:// www.studiestoday.com

Downloaded from https:// www.studiestoday.com

6 न्याय

इस कहानी में चातुर्य की बात है। एक मित्र यात्रा पर जाते वक्त अपनी सोनामोहरें मित्र के यहाँ तेल के डिब्बे में छूपा के जाता है। यात्रा से वापस आने पर उसे अपनी मोहरें नहीं मिलती। वह काजी से फ़रियाद करता है। अंत में हसन नाम का एक लड़का अपनी चतुराई से सच्चा न्याय करके अली ख्वाज़ा को मोहरें वापस दिलवाता है।

यह रोचक कहानी न्याय और बुद्धिमत्ता की एक झलक देती है।

पुराने ज़माने में ईराक की राजधानी बगदाद में एक व्यापारी रहता था, नाम था उसका, अली ख्वाज़ा। व्यापार करते-करते जब उसके पास एक हज़ार सोने की मोहरें इकट्ठी हो गईं, तो उसने मक्का शरीफ़ की यात्रा का निश्चय किया। चूँकि वह अकेला रहता था, उसने अपनी जमा पूँजी अपने मित्र के यहाँ रखने का निश्चय किया। यात्रा के खर्च के लिए उसने पाँच सौ मोहरें अलग रख लीं। फिर एक घड़े में बची हुई मोहरें डालकर तेल भर दिया। अली ख्वाज़ा पड़ोस में अपने मित्र वाज़िद के घर गया। उसको अपनी यात्रा के बारे में बताया और कहा, 'यह तेल का घड़ा मैं आपके घर रखकर जाना चाहता हूँ। मक्का से लौटकर ले लूँगा।' वाज़िद ने अपने तहखाने की चाबी उसे देते हुए कहा कि, "आप अपना घड़ा तहखाने में रख आइए और जब आप लौटें तो उसी स्थान से ले लीजिए।" अली ख्वाजा घड़ा रखकर यात्रा के लिए निकल गया।

एक दिन वाज़िद के घर दावत थी। तरह-तरह के पकवान बनाते हुए तेल खत्म हो गया। रात का समय था। वाज़िद की बीवी अपना सिर खुजलाने लगी। तभी उसे अली ख्वाज़ा के तेल के घड़े की याद आई। उसने वाज़िद से कहा, "आप तहखाने में रखे तेल के घड़े से थोड़ा तेल निकाल लाइए। इस समय बाज़ार तो बंद हैं। कल सुबह बाज़ार से नया तेल लाकर घड़े में भर देंगे। ख्वाज़ा आज रात ही आकर तो तेल नहीं माँगेंगे।"

बीवी की बात सुनकर वाज़िद तहखाने में गया। जब घड़े की सील खोलकर तेल निकालने लगा तब घड़े में से सिक्कों की आवाज़ आई। उसे लगा कि घड़े में तेल के नीचे कुछ है। इसलिए उसने दूसरे बर्तन

Downloaded from https:// www.studiestoday.com

Downloaded from https:// www.studiestoday.com

में सारा तेल निकाल लिया। उसने देखा कि घड़े में तो पाँच सौ सोने की मोहरें थीं। उसने उन मोहरों को अपनी तिजोरी में छिपाकर रख दिया और तेल लाकर बीवी को दे दिया। अगले दिन उसने बाज़ार से नया तेल लेकर घड़े में भर दिया। उसे वैसे ही सीलबंद कर दिया जैसे कि ख्वाज़ा अली ने किया था।

कुछ दिनों के बाद ख्वाज़ा मक्का की यात्रा से वापस आया। घर में अपना सामान रखकर वह सीधा वाज़िद के घर गया और अपनी यात्रा की सारी बातें बताईं। फिर तेल का घड़ा लेकर वह घर आ गया। जब उसने घड़े का तेल निकालकर देखा तो उसके पैरों तले ज़मीन ही खिसक गई। वह सिर पकड़ कर बैठ गया, क्योंकि घड़े में एक भी सोने की मोहर नहीं थी। वह सोचने लगा, अब क्या किया जाए?

वह उलटे पाँव वाज़िद के घर गया और अपनी मोहरें माँगने लगा। वाज़िद ने कहा कि, ''सीलबंद तेल का घड़ा आपको उसी स्थान से मिला जहाँ आप रखकर गए थे। मैंने तो उसे हाथ भी नहीं लगाया। मैं कैसे मान लूँ कि उसमें सोने की मोहरें थीं।'' दोनों मित्रों में कहा-सुनी होने लगी। दोनों का झगड़ा सुनकर आस-पास के लोग इकट्ठे हो गए। उन्होंने जब झगड़े को बढ़ते हुए देखा तो ख्वाज़ा से कहा कि, ''आप काज़ी की अदालत में जाइए। वह ही आपके झगड़े को मिटा सकता है।''

ख्वाज़ा ने काज़ी की अदालत में अपनी बात रखी परंतु पक्के सबूतों के अभाव में उसे वहाँ से निराश लौटना पड़ा। तब उसने बगदाद के खलीफ़ा के यहाँ अपील की और न्याय माँगा। खलीफ़ा ने उसकी अपील स्वीकार कर ली। खलीफ़ा ने सारे मामले पर विचार करने के लिए कुछ समय चाहा। एक सप्ताह बाद का समय सुनवाई के लिए दिया गया। ख्वाज़ा और वाज़िद का किस्सा अब प्रख्यात हो गया था।

खलीफ़ा एक दिन अपना भेष बदलकर शहर में घूम रहे थे। तभी उन्होंने कुछ लड़कों को न्यायालय का खेल खेलते हुए देखा। वह छिपकर उनका खेल देखने लगे। उन्हें लगा कि जो लड़का न्यायाधीश बना है, बड़ा समझदार है। वह जिस तरह न्याय कर रहा है, बिलकुल

Downloaded from https:// www.studiestoday.com

Downloaded from https:// www.studiestoday.com

ठीक है। इसलिए उन्होंने उस लड़के को अपने पास बुलाया और उसका नाम पूछा। लड़के ने कहा, "मेरा नाम हसन है।" खलीफ़ा ने कहा, "मैंने तुम्हारा खेल देखा। तुम बहुत समझदार हो। कल हमारे दरबार में आना।"

अगले दिन खलीफ़ा के दरबार में अली ख्वाज़ा, वाज़िद और हसन उपस्थित हुए। खलीफ़ा ने हसन से कहा कि, "तुम इन दोनों के झगड़े का किस्सा सुनो और बताओ कि इनमें से कौन सच बोल रहा है?"

हसन ने दोनों की बातें ध्यान से सुनीं। फिर उसने दो तेलियों को बुलवाया। थोड़ी देर में दो तेली आ गए। हसन ने उनसे कहा, "आप इस घड़े के तेल की जाँच कीजिए और बताइए, इस घड़े में तेल कितना पुराना है?"

दोनों तेलियों ने बारी-बारी से तेल को देखा, सूँघा और चखा। फिर अपना निर्णय दिया। "घड़े का तेल दो महीने पुराना लगता है, इससे ज़्यादा नहीं", वे बोले।

तेलियों की बात सुनकर वाज़िद तो घबरा गया। अली ख्वाज़ा खुश होकर बोल पड़ा, "हुजूर, मैं तो छः महीने पहले मक्का की यात्रा करने गया था। तभी मैंने तेल खरीदा था।" तेलियों और अली ख्वाज़ा की बात सुनकर सब को वास्तविकता का ज्ञान हो गया। खलीफ़ा को न्याय के लिए सबूत मिल गया था। खलीफ़ा ने हसन को धन्यवाद दिया और वाज़िद से कहा कि, "आपने अली ख्वाज़ा के घड़े से तेल और मोहरें निकाली हैं। आप उन्हें वापिस कीजिए और चोरी और विश्वासघात के अपराध की सजा भुगतिए।" खलिफ़ा ने हसन को बहुत सारा पुरस्कार दिया।

खलीफ़ा के दरबार में उपस्थित सभी लोगों ने हसन की सूझ-बूझ और न्याय की भूरि-भूरि प्रशंसा की।

शब्दार्थ

अपील निवेदन **अभाव** कमी **जाँच** तपास **तहखाना** जमीन के नीचे बना कमरा **तेली** तेल निकालनेवाला **पुरस्कार** इनाम **भूरि-भूरि** खूब सारी **मोहर** सिक्का **वास्तविकता** सच्चाई **विश्वासघात** धोखा देना **सबूत** किसी बात को सिद्ध करने का प्रमाण **सज़ा भोगना** दंड भोगना **सूझ-बूझ** समझदारी

मुहावरे

सिर खुज़लाना सोचना, समझ न पाना कि क्या किया जाए **पैरों तले जमीन खिसक जाना** आघात लगना **कहा-सुनी होना** बातों की लड़ाई होना **सिर पकड़कर बैठ जाना** हताश होना, निराश होना

Downloaded from https:// www.studiestoday.com

Downloaded from https:// www.studiestoday.com

अभ्यास

प्रश्न 1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

(1) अली ख्वाज़ा ने मोहरें तेल में क्यों छुपाई होंगी?

(2) मित्र के साथ हमें कैसा व्यवहार करना चाहिए?

(3) वाज़िद और हसन की जगह आप होते तो क्या करते?

प्रश्न 2. नीचे लिखे संदर्भ में कहानी के पात्रों के संवाद कक्षा में बुलवाइए :

(1) अली ख्वाज़ा और वाज़िद (जब अली ख्वाज़ा तेल का घड़ा रखने आया)

(2) अली ख्वाज़ा और वाज़िद का झगड़ा

प्रश्न 3. हसन ने क्या सूझ-बूझ दिखाई थी, कक्षा में चर्चा कीजिए और लिखिए।

स्वाध्याय

प्रश्न 1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए :

(1) वाज़िद को कैसे पता चला कि बर्तन में मोहरें हैं?

(2) अली ख्वाज़ा और वाज़िद के बीच झगड़ा क्यों हुआ?

(3) खलीफ़ा ने हसन को अपने दरबार में क्यों बुलाया?

(4) तेलियों की बात सुनकर वाज़िद क्यों घबराया?

(5) तेलियों ने कैसे सच्चा निर्णय किया?

(6) वास्तविकता जानने पर खलीफ़ा ने क्या निर्णय किया?

प्रश्न 2. निम्नलिखित वाक्य कौन किसे कहता है, लिखिए :

(1) यह तेल का घड़ा मैं आपके घर रखकर जाना चाहता हूँ।

(2) आप अपना घड़ा तहखाने में रख आइए।

(3) आप काज़ी की अदालत में जाइए।

(4) आप इस घड़े की जाँच कीजिए।

(5) हुज़ूर, मैं तो छः महीने पहले मक्का की यात्रा करने गया था।

प्रश्न 3. (क) आपने किए हुए प्रवास का वर्णन करते हुए अपने मित्र को पत्र लिखिए।

(ख) क्या तुम्हारे साथ भी कभी कोई ऐसी घटना घटी है कि तुम्हें न्याय के लिए किसी के पास जाना पड़ा हो? उस घटना को विस्तार से लिखिए।

Downloaded from https:// www.studiestoday.com

Downloaded from https:// www.studiestoday.com

(ग) कहानी की प्रमुख घटनाओं को इस क्रम में लिखो कि पूरी कहानी स्पष्ट हो सके, जैसे–

- ईराक में व्यापारी अली ख्वाज़ा के पास एक हजार सोने की मुहरें इकट्ठा होना।
- ....
- ....
- ....
- ....
- ....
- ....

प्रश्न 4. निम्नांकित कहानी के चित्र एवं वाक्य उलट-पुलटकर दिए गए हैं, उसको पढ़कर कहानी का निर्माण कीजिए और उचित शीर्षक दीजिए :

शेर की नींद खुल गयी और उसने गुस्से से चूहे को पंजे में पकड़ लिया। चूहा रोते-रोते बोला, ''कृपा करके मुझे छोड़ दो, मैं तुम्हारी मदद करूँगा।''

जाल में फँसते ही शेर दहाड़ने लगा। उसकी दहाड़ सुनकर चूहा वहाँ आया। शेर को जाल में फँसा देखकर अपने साथियों को बुलाकर चूहे ने शेर को जाल से छुड़ाया।

Downloaded from https:// www.studiestoday.com

Downloaded from https:// www.studiestoday.com

एक दिन जंगल में एक शेर आराम से सो रहा था। शेर जहाँ सो रहा था उसके पास एक बिल था। जिसमें एक चूहा रहता था।

शेर को चूहे और उसके साथियों ने जाल से छुड़ाया और शिकारी से बचाया। उस दिन से शेर और चूहा मित्र बन गये। साथ में खेलने लगे।

शेर को सोया हुआ देखकर चूहा उसके पास गया। वह शेर के शरीर पर चढ़ा और नाचने लगा।

Downloaded from https:// www.studiestoday.com

Downloaded from https:// www.studiestoday.com

एक दिन एक शिकारी जंगल में शिकार करने आया। उसने सिंह का शिकार करने के लिए जाल बिछाया।

प्रश्न 5. निम्नलिखित वाक्यों में से क्रियावाचक शब्द ढूँढ़कर उदाहरण अनुसार वाक्य फिर से लिखिए :

उदाहरण : ● राधा ने संजीव को पत्र लिखा।

➡ राधा ने किसको पत्र लिखा ?

(1) अध्यापक ने बच्चों को कहानी सुनाई।

(2) रात को कुत्ते भौंक रहे थे।

(3) वह पटाखे देख रहा है।

(4) वेदांत किताब पढ़ रहा था।

(5) पता नहीं तन्मय मेरे पास से कब चला गया।

(6) आकाश में पतंग उड़ रही थी।

प्रश्न 6. कहानी पढ़िए, उचित शीर्षक दीजिए एवं चर्चा करके प्रश्नों का निर्माण कीजिए तथा उत्तर लिखिए :

एक बार राजा कृष्णदेवराय के महल में एक सेवक काँच का खूबसूरत मोर साफ कर रहा था। गलती से उसके हाथ से मोर गिरकर टूट गया। राजा को वह मोर बहुत प्रिय था। जब राजा महल में आए, उन्हें अपना प्रिय मोर दिखाई न दिया। पूछने पर पता चला कि वह टूट गया है। क्रोध में आकर उन्होंने सेवक को छः महीने के लिए कारागार में डलवा दिया।

कुछ दिनों बाद राजा कृष्णदेवराय, मंत्री तेनालीराम और दूसरे दरबारियों के साथ राजा उद्यान में घूमने निकले। तेनालीराम बोले, ''महाराज, पास ही बाल उद्यान है। उसे भी देखते चलें।''

राजा कृष्णदेवराय बाल उद्यान की ओर आए। उद्यान में तरह-तरह के रंग-बिरंगे फूल खिले हुए थे। एक स्थान पर बच्चे नाटक खेल रहे थे। एक बच्चा राजा बना हुआ था। उसके सामने दो

Downloaded from https:// www.studiestoday.com

Downloaded from https:// www.studiestoday.com

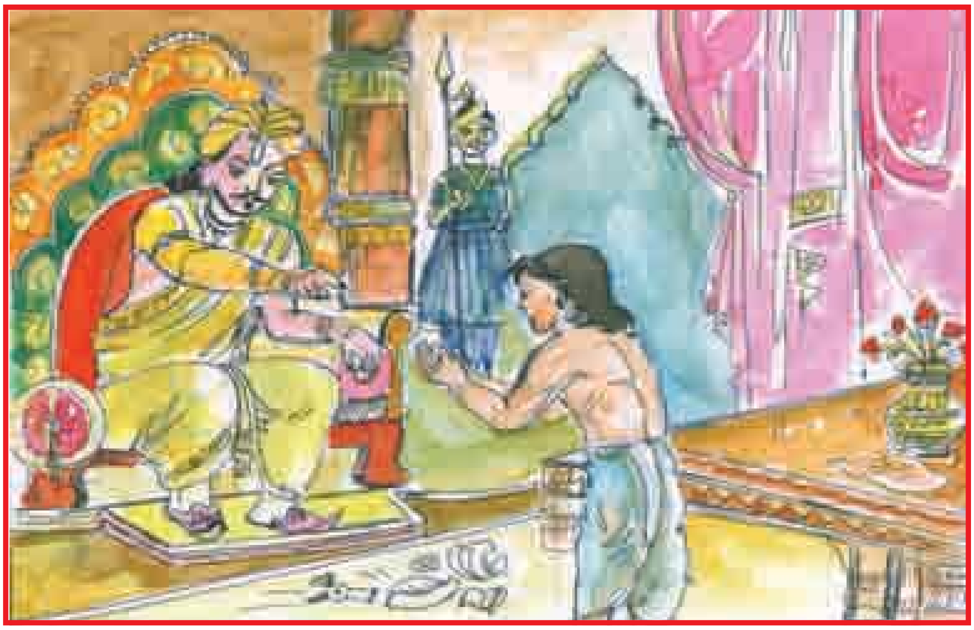

सिपाही एक अपराधी को पकड़कर खड़े थे। खेत के मालिक ने शिकायत की, ''महाराज, आज यह मेरे खेत से गाजर और मूली उखाड़कर ले गया।'' सुनकर राजा बने बच्चे ने चोरी करनेवाले से पूछा। उसने गलती मान ली तब वह बोला, ''ठीक है, तुम्हें माफी दी जाती है पर ध्यान रखना कि दोबारा यह गलती न हो।'' फिर खेत के मालिक से कहा, ''तुम्हारे नुकसान की भरपाई शाही खज़ाने से की जाएगी पर पहली गलती पर भला हम कैसे सजा दें।''

नाटक देखने के बाद मंत्री ने कहा, ''महाराज, यह बच्चा तो बड़ा शरारती है। इसे सज़ा मिलनी चाहिए।'' तेनालीराम बोले, ''हाँ महाराज, मेरे विचार से सज़ा यही हो कि इसे राज दरबार में बुलाकर यह नाटक फिर से दोहराने को कहा जाए।''

Downloaded from https:// www.studiestoday.com

Downloaded from https:// www.studiestoday.com

नाटक देखकर राजा कृष्णदेवराय सोच में पड़ गए। तेनालीराम की चतुराई पर वे मन-ही-मन मुस्कुरा उठे। यह देखकर मंत्री असमंजस में पड़ गए। उसके बाद राजा कृष्णदेवराय बोले, "सचमुच तेनालीराम, तुमने ठीक कहा। आज मैं समझा कि न्याय करते समय राजा का मन बच्चे जैसा निर्मल होना चाहिए।"

अगले ही दिन राजा ने उस सेवक को रिहा करवा दिया।

योग्यता विस्तार

- ऐसी अन्य कहानियाँ पुस्तकालय में जाकर पढ़िए।
- बीरबल की चतुराई, पंचतंत्र की कहानियाँ, अरेबियन नाईट्स जैसे कहानी संग्रह पढ़िए।
- इस कहानी का नाट्यीकरण कीजिए।

Downloaded from https:// www.studiestoday.com

Downloaded from https:// www.studiestoday.com

7 यह भी एक परीक्षा

– सुरेन्द्र अंचल

प्रस्तुत एकांकी के रचनाकार प्रसिद्ध साहित्यकार श्री सुरेन्द्र अंचल जी हैं। अंचल जी ने अनेक एकांकी, कविता, रेडियो रूपक, कहानी आदि की रचना की है।

जीवन में शिक्षा का बहुत महत्त्व है। मनुष्य के भीतर जो शक्तियाँ हैं, उनका सही ढँग से उपयोग करना ही सच्ची शिक्षा है। परीक्षा में ज्यादा अंक प्राप्त करना यह शिक्षा का मूल उद्देश्य नहीं है, मगर वास्तविक जीवन में शिक्षा का उपयोग कर दिखाना है। मानवता बड़ी मूल्यवान चीज़ है। यही इस एकांकी का प्रमुख उद्देश्य है।

प्रथम दृश्य

(पर्दा उठता है। बाज़ार का दृश्य-कुछ लोग इधर-उधर आ-जा रहे हैं।)

एक बालक : (कंधे पै थैला, हाथ में ब्रुश) बूट पालिश! बूट पालिश! (एक राहगीर से) बाबूजी! जूते चमका दूँ, शानदार कर दूँगा।

राहगीर : नहीं रे! परे हट।

बालक : (बूट पकड़कर) आईना बना दूँगा जूतों को। अपनी शकल देखकर फिर पैसा देना बाबू जी! सिर्फ दो रूपए।

राहगीर : अरे हट। जोंक की तरह चिपक जाता है। भाग। (राहगीर के पीछे बालक चला जाता है – दूसरी ओर से एक हाकर (hawker) अखबारों का बण्डल लिए आता है।)

हाकर : (अखबार हिलाते हुए) आज की ताज़ा खबर। भूकम्प से गिरे मकानों का नव निर्माण। छात्राओं की फीस माफ! स्कूल के लड़कों ने डाकू पकड़ा। आज की ताज़ा खबरें! (कुछ लोग अखबार खरीदने लगते हैं – दूसरी ओर से चायवाला बालक आता है। एक हाथ में बाल्टी जिसमें कप रखे हैं – एक हाथ में केतली।

Downloaded from https:// www.studiestoday.com

Downloaded from https:// www.studiestoday.com

चायवाला : चाय गरम! चाय गरम! चाय। (एक बालक अखबार पढ़ता हुआ चलता-चलता चायवाले से टकरा जाता है। बाल्टी छिटककर गिरती है - दो-तीन कप बिखर जाते हैं।)

चायवाला : अंधा है क्या! देखकर नहीं चलता। मेरे कप टूट गए।

बालक : चल, चल फूट यहाँ से! पेंट खराब कर दिया और ऊपर से रोब जमा रहा है। (दोनों लड़ते झगड़ते जाते हैं। दूसरी ओर से एक बूढ़ा अंधा भिखारी बैसाखी के सहारे आता है। कटोरे में कुछ पकौड़ियाँ, अमरूद, रोटी के टुकड़े, रेजगारी आदि हैं।)

भिखारी : बाबूजी! भूखा हूँ! मेरा सब कुछ लुट गया! भगवान तुम्हें खूब बरकत देगा। भगवान तुम्हारा भला करेगा।

एक बालक : (हाथ में किताबें) परे हट! इधर तो स्कूल की देर हो रही है और यह सामने आ रहा है। हूँ? (जेब में हाथ डाल कर पैसे निकाल, गिनता है।) यहाँ तो पिक्चर के टिकट में भी अठ्ठनी कम है! तू देगा? (चला जाता है।)

भिखारी : बेटा! मैं अंधा हूँ। बेसहारा हूँ। मैं भला तुम्हें क्या दे सकता हूँ। सबको देनेवाला तो वह नीली छतरीवाला है। (एक बालक साइकिल पर आकर बूढ़े से टकरा जाता है। बूढ़ा गिर पड़ता है। लकड़ी और कटोरा दूर जा गिरता है।)

भिखारी : (चीखकर) हाय रे, मेरी टांग टूट गई रे? अब क्या करूँ रे?

साइकिलवाला : (कपड़े झाड़कर साइकिल उठाता है) अंधा है क्या? सामने आ गया? इन भिखारियों ने नाक में दम कर रखा है, स्कूल की देर करवा देगा! परीक्षा का पहला दिन है। (साइकिल पर जाता है।)

Downloaded from https:// www.studiestoday.com

Downloaded from https:// www.studiestoday.com

भिखारी : (पड़ा–पड़ा) हाय भगवान! मेरी टांग टूट गई रे। अरे कोई मुझे उठाओ। कोई तो भला–मानुष मुझे सड़क के किनारे बिठा दो रे! ऐ लाला! ऐ बाबू! मुझे सड़क के एक तरफ ले चलो रे? (एक विद्यार्थी आता है। हाथ में बस्ता)

विद्यार्थी : अरे! क्या हो गया बूढ़े बाबा? (टांग देखकर) अरे रे... चोट ज्यादा लगी है। (कटोरे में पैसे–रोटी आदि डालकर देता है) लो बाबा! यह रहा तुम्हारा कटोरा। इसमें सात रुपये हैं।

भिखारी : (कटोरा लेकर कराहता हुआ) जीते रहो बेटा। भगवान तुम्हें अच्छे नम्बर से उत्तीर्ण करे–मेरे राजा बाबू को, मुझ अंधे की लकड़ी कहाँ है? बेटे! मुझे सड़क के किनारे कहीं पेड़ के नीचे बिठा दो, भला होगा तुम्हारा?

विद्यार्थी : (लकड़ी थमाकर) लो, यह रही लकड़ी। (स्कूल की घण्टी सुनाई देती है) अरे! पहली घण्टी लग गई। आज परीक्षा का पहला ही दिन है। किन्तु... खैर (बूढ़े से) बाबा उठो। तुम्हें फूटपाथ पर बिठा दूँ। अरे तुम्हारे पाँव में तो गहरी चोट है – खून बह रहा है। (कलाई की घड़ी देखकर सोचता हुआ स्वयं से) उधर परीक्षा का समय, इधर यह अंधा बाबा? क्या करूँ.. ?

(अंतरात्मा में आवाज गूँजती है – इन्सान की सेवा सबसे पहला कर्तव्य है, इन्सान की सेवा सबसे बड़ा धर्म है।)

विद्यार्थी : (बाबा से) चलो बाबा तुम्हें अस्पताल तक पहुँचा दूँ।

(विद्यार्थी सहारा देकर ले जाता है।)

Downloaded from https:// www.studiestoday.com

Downloaded from https:// www.studiestoday.com

दूसरा दृश्य

(प्रधानाध्यापक कक्ष। प्रधानाध्यापक की तख्ती के पीछे प्रधानाध्यापक जी कुछ लिखते हुए। एक अध्यापक का आना।)

अध्यापक : सर! परीक्षा शुरू हो गई और देवेन्द्र सेन अभी तक अनुपस्थित है।

प्रधानाध्यापक : क्या! देवेन्द्र! क्या बात हुई वह तो मेधावी छात्र है। अरे भाई, किसी को स्कूटर लेकर भेजो, लेकिन ठहरो। मेरे पास फोन नम्बर है। पहले पता कर लेता हूँ। (फोन उठाते हैं) हलो। हलो। हलो। हाँ मैं प्रधानाध्यापक बोल रहा हूँ। अरे भाई, देवेन्द्र की परीक्षा शुरू हो गई है। आज पहला दिन है। वह आया क्यों नहीं अभी तक? हैं? घर से निकले घण्टाभर हो गया? हाँ, परीक्षा शुरू हुए दस मिनट से ज्यादा हो गए हैं। पता लगाओ भाई। वह तो प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण होनेवालों में से है। (फोन रखकर) उसे घर से निकले बहुत समय हो गया है। आ जाना चाहिए। देखिए वह आ जाय तो मेरे पास भेजना। वैसे उसके साथवाले लड़के से मालूम करो कहीं एक्सीडेण्ट-वेक्सीडेण्ट तो नहीं हो गया। (अध्यापक का जाना। कुछ ही देर बाद देवेन्द्र का हाँफते हुए आना।)

देवेन्द्र : क्या मैं अन्दर आ सकता हूँ, श्रीमान्।

प्रधानाचार्य : अरे? देवेन्द्र इतने लेट? कहाँ थे अब तक?

देवेन्द्र : (घबराया स्वर) अस्पताल सर?

प्रधानाध्यापक : (कड़ककर) अस्पताल? परीक्षा क्या वहाँ हो रही थी? और ये पेंट पर खून के धब्बे? कहीं गिर पड़े थे क्या?

देवेन्द्र : जी नहीं। एक अंधे बूढ़े भिखारी को किसीने साइकिल की टक्कर मार दी। उसकी टांग ज्यादा जख़्मी हो गई। वह सड़क के बीचोबीच पड़ा कराह रहा था। उसे तुरन्त इलाज की जरूरत थी, इसलिए अस्पताल में भर्ती करवाकर आ रहा हूँ। क्षमा चाहता हूँ सर!

Downloaded from https:// www.studiestoday.com

Downloaded from https:// www.studiestoday.com

प्रधानाध्यापक : शाबाश! यह जानते हुए भी कि परीक्षा का समय है, तुमने अपना कर्तव्य निभाया। इन्सान की जिन्दगी इस परीक्षा से बहुत बड़ी और कीमती होती है। जाओ, परीक्षा में बैठो, कमरा नम्बर चार में तुम्हारा रोल नंबर है। (देवेन्द्र जाता है। प्रधानाध्यापक फोन उठाते हैं।)

प्रधानाध्यापक : (फोन पर) हलो। सेन साहब? हाँ, देवेन्द्र आ गया। रास्ते में किसी बूढ़े का एक्सीडेन्ट हो गया था, उसे अस्पताल भर्ती करवाकर आया है। अरे भाई इस परीक्षा में तो पास होगा ही, किन्तु इससे भी बड़ी इन्सानियत की परीक्षा में पास हो गया है। ऐसे होनहार सपूत के पिता हैं आप। बधाई!

शब्दार्थ

राहगीर मुसाफिर **आईना** दर्पण **शक्ल** चेहरा **नवनिर्माण** फिर से बनाना, नई रचना **मेधावी** होशियार **अनुपस्थित** गैरहाज़िर **होनहार** अच्छे लक्षणोंवाला **कर्तव्य** फर्ज़ **कराहना** दर्दभरी आवाज़ से चिल्लाना **बस्ता** थैला, दफ्तर (गुज.) **बरकत** लाभ, फायदा **पिक्चर** चलचित्र **बेसहारा** नि:सहाय **टाँग** पैर **सपूत** लायक, पुत्र **ज़ख्मी** घायल **एक्सीडेन्ट** दुर्घटना **लेट (Late)** देर से आना **इन्सानियत** मानवता **जोंक** खून पीनेवाला जंतु विशेष, जळो (गुज.) **रेज़गारी** छोटे सिक्के **हाकर** फेरियो (गुज.)

मुहावरे

आईना बनाना बहुत चमक लाना **रोब जमाना** अपना प्रभाव दिखाना **नाक में दम करना** परेशान करके रखना

अभ्यास

प्रश्न 1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

(1) देवेन्द्र ने परीक्षा होने के बावजूद भी भिखारी की मदद क्यों की?

(2) प्रधानाध्यापक ने देवेन्द्र के पिता को बधाई क्यों दी?

(3) क्या देवेन्द्र ने जो किया वह सही किया? क्यों?

प्रश्न 2. आप स्कूल के मैदान में खेल रहे हैं और आपके साथी को पैर में मोच आ गई तो आप क्या करेंगे? चर्चा कीजिए।

प्रश्न 3. लिंग के आधार पर वाक्य सही है या गलत? अगर वाक्य गलत है, तो सुधारकर दुबारा लिखिए :

(1) मेरे पास एक बड़ी संदूक है।

(2) मैंने अहमदाबाद से अंबाजी की टिकट ली।

(3) रावण के साथ युद्ध में राम का विजय हुआ।

Downloaded from https:// www.studiestoday.com

Downloaded from https:// www.studiestoday.com

(4) मैंने <u>पुस्तक</u> खरीदी।

(5) रमेश की <u>स्कूल</u> विशाल है।

(6) आपकी <u>आवाज़</u> मधुर है।

(7) रोहन को क्रिकेट खेलने में बड़ी <u>मज़ा</u> आती है।

(8) हमें पौष्टिक <u>खुराक</u> लेना चाहिए।

(9) मैंने एक सुंदर <u>तसवीर</u> देखा।

(10) आज भारी <u>बरसात</u> हुआ।

प्रश्न 4. निम्नलिखित वाक्यों का वचन परिवर्तन करके वाक्य फिर से लिखिए :

(1) लड़के मैदान में खेल रहे हैं।

(2) आकाश में पक्षी उड़ रहे हैं।

(3) मैंने आज एक व्यक्ति की मदद की।

(4) उद्यान में हरा-भरा पेड़ है।

(5) मेरी किताब वापस दीजिए।

स्वाध्याय

प्रश्न 1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

(1) बूट पालिशवाले ने राहगीर से क्या कहा?

(2) भिखारी के कटोरे में क्या-क्या था?

(3) देवेन्द्र भिखारी को अस्पताल क्यों ले गया?

(4) देवेन्द्र ने भिखारी के लिए क्या किया?

(5) प्रधानाध्यापक ने देवेन्द्र के घर फोन क्यों लगाया?

प्रश्न 2. निम्नलिखित वाक्य कौन-किसे कहता है, लिखिए :

(1) "अंधा है क्या? देखकर नहीं चलता। मेरे कप टूट गए।"

(2) "जीते रहो बेटा। भगवान तुम्हें अच्छे नंबर से उत्तीर्ण करे।"

(3) "चलो बाबा तुम्हें अस्पताल तक पहुँचा दूँ।"

(4) "सर! परीक्षा शुरू हो गई और देवेन्द्र अभी तक अनुपस्थित है।"

(5) "शाबाश! तुमने यह जानते हुए भी कि परीक्षा का समय है, अपना कर्तव्य निभाया।"

(6) "जूते चमका दूँ, शानदार कर दूँगा।"

Downloaded from https:// www.studiestoday.com

Downloaded from https:// www.studiestoday.com

प्रश्न 3. निम्नलिखित परिच्छेद का मातृभाषा में अनुवाद कीजिए :

एक बार अवन्ती के देश में तीन व्यापारी आए। राज दरबार में उन्होंने प्रार्थना की, कि उनके प्रश्नों के उत्तर दिए जाएँ। कोई भी दरबारी व्यापारियों के प्रश्नों के उत्तर नहीं दे सका। यहाँ तक कि राजा भी उलझन में पड़ गये। तब किसी ने कहा कि अवन्ती को बुलवाया जाए, वही इनके प्रश्नों के उत्तर दे सकता है। राजा ने अवन्ती को बुलाने की आज्ञा दी। हाथ में लाठी लिए हुए अपने गधे पर सवार अवन्ती दरबार में पहुँचा।

इतना जानिए

इन्डियन एअरलाईन्स

ट्राफिक सिग्नल

न्याय

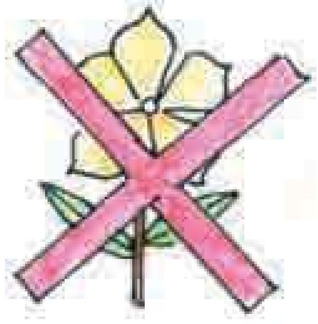

फूल तोड़ना मना है।

कूड़ा कूड़ेदान में डालें।

शान्ति रखिए

योग्यता विस्तार

- इस एकांकी के मूल भाववाली अन्य कहानियाँ पुस्तकालय से खोजकर पढ़िए और कक्षा में सुनाइए।
- इस एकांकी का अपनी नाट्यीकरण कीजिए।

Downloaded from https:// www.studiestoday.com